ARE YOU FREE THIS CHRISTMAS ?

Are you among the millions of people who always try to please God by your own efforts? You either do things that have been taught to you or invent new ways to appease the God of heaven and earth. Perhaps you donate money, take care of the destitute, burn incense, fast from food and water, walk barefoot, or maybe you are trying to follow the entire Bible perfectly in your own way – all so that your good works might outnumber your sinful actions and that God might somehow overlook them and forgive your sins. But does that work in God's economy?

So we also … were kept like slaves under the elementary teachings of a system of external observations and regulations. [Galatians 4:3, Holy Bible]

Can man get right with God by his own efforts? You may reserve a place in heaven through your own efforts as long as all your past, present and future actions are absolutely perfect. But that is impossible! Can you claim that there is not even the slightest hint of sin and unrighteousness in you? Of course you cannot! And that is why you are under bondage, under the curse of God, under His righteous judgment for offending Him and violating His laws.

But when the proper time had fully come, God sent His Son, born of a woman, born subject to the Law [Galatians 4:4, Holy Bible]

God gave us the commandments not so that we would fulfil them and become perfect, but that we would understand that it is impossible for us to meet His perfect standards. The way to heaven can never be earned through our self-produced obedience and good works. Then how can man get right with God? This is where Christmas becomes so significant for us. Jesus Christ, the Son of God, was sent from heaven by the Heavenly Father, not in some magnificent angelic form, but in the form of a man born through a virgin. Not just that, He was born under the Law, meaning that He was born to live under the perfect requirements of God, just like us! But why did He leave heaven and live according to the laws that He Himself established for us?

… to purchase the freedom of those who were subject to the Law, that we might be adopted and have sonship conferred upon us [Galatians 4:5, Holy Bible]

Through His life, Jesus Christ, the incarnate Son of God, perfectly fulfilled all the laws of God on our behalf. His perfection is the only hope for all mankind. This is the promise that God gives in the Bible; that anyone who trusts in Jesus Christ will be released from bondage – this endless, legalistic and fruitless attempt to be right with God. Only a Perfect Man can fulfil all the righteous standards of God, and it is His Perfect Son in human form who lived a perfect life on our behalf, died a torturous death for our sins and gloriously rose again from the dead on the third day as a proof that God has accepted His obedience on our behalf. Do you ever wonder why Christians are so happy during Christmas? It is because they are reminded that their burdens have been lifted up, their relationship with God has been restored and that they are freed from the guilt of their sins through Jesus Christ, the Son of God. Christmas is God’s only solution to human sin! It is commemorating the unique period in human history when God demonstrated His greatest love for us by gifting us His Son. And all who respond to this love receive a new title – sons and daughters of God! Do you want this Christmas to be a truly merry one? Believe on Him who was born this day and get right with your Maker! Trust Him – He alone can free you!

क्या आप इस क्रिसमस मुक्त हो?

क्या आप उन लाखों लोगों में से हो जो हमेशा परमेश्वर को अपनी कोशिशों से खुश करने का प्रयास करते है? या तो आप रीती-रिवाज़ों का पालन करते हो या नए तरीकों का इस्तेमाल करके स्वर्ग और पृथ्वी के परमेश्वर को संतुष्ट करना चाहते हो। हो सकता है की आप दान देते हो, बेसहारों का सहारा बनते हो, पूजा-अर्चना करते हो, उपवास रखते हो, नंगे पाव चलते हो, या फिर शायद अपने ही तारीकों से पूरी बाइबल का पालन करते हो – सब इसलिए की आपके अच्छे कर्म बुरे कर्मों से ज़्यादा हो और शायद परमेश्वर आपके पापों की क्षमा दे दे। लेकिन क्या ये परमेश्वर के राज्य में मुमकिन है?

हमारी भी ऐसी ही स्थिति है। हम भी ... तो सांसारिक नियमों के दास थे। (गलातियों 4:3, पवित्र बाइबल)

क्या मनुष्य अपने कर्मों से परमेश्वर के सामने सिद्ध ठहर सकता है? अगर आपका अतीत, वर्तमान और भविष्य पूरी तरह से पाप से रहित है, तो ज़रूर आप स्वर्ग जाएंगे। पर ये तो नामुमकिन है। क्या आप दावे के साथ कह सकते है की आपमे पाप का एक झलक तक नहीं है? बिलकुल भी नहीं! इसीलिए आप अब तक दासत्व में हो, परमेश्वर के श्राप के अधीन, उनके सच्चे न्याय के अधीन, क्यूंकी आपने उनके नियमों का उल्लंघन किया है।

किन्तु जब उचित अवसर आया तो परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा जो एक स्त्री से जन्मा था। और व्यवस्था के अधीन जीता था। (गलातियों 4:4, पवित्र बाइबल)

परमेश्वर ने हमे नियम दिये इसलिए नहीं की हम उनका पालन करके सिद्ध बनेंगे, बल्कि इसलिए की हम समझ पाये की हम उन नियमों का पूर्ण रूप से पालन कर ही नहीं सकते। स्वर्ग के द्वार हमारे आज्ञापालन करने से और अच्छे कर्मों से नहीं खुल सकते। तो फिर एक व्यक्ति परमेश्वर के सामने कैसे सही ठहर सकता है? यही बात है जो क्रिसमस को इतना महत्वपूर्ण बनाती है। परमेश्वर पिता ने अपने एकलौते पुत्र यीशु मसीह को स्वर्ग से भेजा और वे एक कुँवारी द्वारा जन्मे। इतना ही नहीं, वे व्यवस्था के अधीन बने, अर्थात परमेश्वर के पवित्र नियमों के अधीन। लेकिन ऐसे नियम जो मनुष्य के लिए दिये गए थे, उनका पालन करने वे स्वर्ग छोड़कर क्यूँ आए?

ताकि वह व्यवस्था के अधीन व्यक्तियों को मुक्त कर सके जिससे हम परमेश्वर के गोद लिये बच्चे बन सकें। (गलातियों 4:5, पवित्र बाइबल)

यीशु मसीह ने अपने जीवन के द्वारा परमेश्वर के सारे नियमों को हमारे खातिर पूरा किया। उनकी धार्मिकता ही सारे मनुष्यजाती की एकमात्र आशा है। परमेश्वर ने वादा किया है की जो यीशु मसीह पर भरोसा करेंगे वे उस दासत्व से मुक्त हो जाएंगे। केवल एक सिद्ध व्यक्ति ही परमेश्वर के दर्जों को निभा सकता है, और वो उनका सिद्ध पुत्र ही है जिसने हमारे खातिर एक निष्पापी जीवन जिया, हमारे खातिर एक दर्दनाक मौत सही और फिर तीसरे दिन मरे हुओ में से जिलाए गए – ये बयान करने की परमेश्वर ने उनके बलिदान को स्वीकारा है। क्या आपने कभी सोचा है की मसीही लोग क्रिसमस के समय इतने खुश क्यूँ होते है? वो इसलिए क्यूंकी क्रिसमस उन्हे याद दिलाता है की उनका रिश्ता परमेश्वर के साथ फिर जुड़ गया है और उन पर लगे पापों का दोष यीशु मसीह के द्वारा हटा दिया गया है। क्रिसमस मानवीय पाप के लिए परमेश्वर का एकमात्र उपाय है! ये उस अनोखे समय के स्मरण में मनाया जाता है जब परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेंट के रूप में देकर अपने महान प्रेम को दर्शाया। और हर वो व्यक्ति जो इस प्रेम और भेंट को स्वीकारता है एक नया दर्जा पाता है – परमेश्वर का बेटा या बेटी! क्या आप चाहते हो की यह क्रिसमस आपके जीवन में खुशियाँ भर दे? उस पर विश्वास करो जो आज के दिन पैदा हुआ था और अपने सृष्टिकर्ता के साथ सही रिश्ता बना लो। वो ही केवल आपको छुटकारा दे सकते हैं!